हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS

EPCH HOUSE Pocket 6 & 7 Sector 'C', LSC, Vasant Kunj, New Delhi-110070
Tel: +91-11-26135256 Fax: +91-11-26135518 & 19 Email: mails@epch.com I www.epch.in
CIN U20299DL1955NPLO23253
GST NO: 07AAACE1747M1ZJ

प्रेस विज्ञप्ति

पश्मीना प्रमाणन केंद्र ने नई उन्नत सुविधाओं के साथ परीक्षण क्षमताओं को बढ़ाया

नई दिल्ली, 21 दिसंबर 2024 — हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) और भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई), देहरादून की संयुक्त पहल से उन्नत पश्मीना प्रमाणन केंद्र ने अपनी परीक्षण क्षमताओं को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया । भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून में स्थित केंद्र में उन्नत परीक्षण मशीनें स्थापित की गई हैं। यह अत्याधुनिक तकनीक परीक्षण प्रक्रियाओं की सटीकता और दक्षता में बदलाव लाने के लिए तैयार है, जो प्रामाणिक पश्मीना उत्पादों के लिए उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करने के भारत सरकार के मिशन को आगे बढ़ाएगी।

नई उन्नत सुविधा का उद्घाटन श्री भूपेंद्र यादव, माननीय केंद्रीय मंत्री, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन और श्रम और रोजगार भारत सरकार द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री कीर्ति वर्धन सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार; श्री जितेंद्र कुमार आईएफएस, महानिदेशक वन; श्री सुशील कुमार अवस्थी, अतिरिक्त वन महानिदेशक; श्री वीरेंद्र तिवारी, आईएफएस, निदेशक डब्ल्यूआईआई; डॉ. रुचि बडोला डीन, डब्ल्यूआईआई; श्री राजेश रावत, अतिरिक्त कार्यकारी निदेशक, ईपीसीएच; डॉ. एस के गुप्ता (वैज्ञानिक एफ) और अन्य वरिष्ठ अधिकारी की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ ।

ईपीसीएच के चेयरमैन श्री दिलीप बैद ने कहा कि पश्मीना प्रमाणन के लिए उन्नत केंद्र शुद्ध पश्मीना प्रामाणिकता सुनिश्चित करने और टिकाऊ व्यापार को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ी छलांग है। स्थापित किए गए उन्नत उपकरण हमारी परीक्षण प्रक्रियाओं को मजबूत करेंगे, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि निर्यातक अंतरराष्ट्रीय बाजारों के कड़े मानकों को पूरा सके। यह हमारे लिए गर्व का क्षण है क्योंकि हम इस क्षेत्र के कारीगरों और निर्माताओं का समर्थन करने की दिशा में एक और कदम उठा रहे हैं।

ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने कहा कि यह अत्याधुनिक केंद्र पश्मीना उत्पादों के सटीक और प्रामाणिक प्रमाणीकरण को सुनिश्चित करने के लिए उन्नत तकनीक से लैस है। यह वैश्विक बाजारों में पश्मीना की विश्वसनीयता को बढ़ाएगा, गुणवत्ता मानकों को बनाए रखते हुए कारीगरों का समर्थन करेगा और स्थायी आजीविका को बढ़ावा देगा। उन्होंने आगे कहा कि इस उन्नयन का व्यापक प्रभाव पश्मीना प्रमाणन केंद्र के लिए एक बड़ा बदलाव है। यह हमें निर्यातकों को सटीक और कुशल प्रमाणन सेवाएँ प्रदान करने में सक्षम करेगा, जो वैश्विक स्तर पर खरीदारों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक है। यह पहल पश्मीना उद्योग को आधुनिक उपकरणों और संसाधनों से लैस करने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है जो नवाचार और विकास को बढ़ावा देते हैं।

ईपीसीएच देश से हस्तशिल्पों के निर्यात को बढ़ावा देने और देश के विभिन्न शिल्प समूहों में होम, लाइफस्टाइल, टेक्सटाइल, फर्नीचर, और फैशन जूलरी एवं एक्सेसरीज उत्पादों को बनाने में लगे लाखों कारीगरों और शिल्पकारों के प्रतिभाशाली हाथों के जादू की ब्रांड छवि बनाने की एक नोडल एजेंसी है। ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर के वर्मा ने बताया कि साल 2023-24 के दौरान हस्तशिल्प निर्यात 32,759 करोड़ रुपये (3,956 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का हुआ, जो पिछले वर्ष की तुलना में रुपये के संदर्भ में 9.13% और डॉलर के संदर्भ में 6.11% की वृद्धि को हुई ।

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

श्री आर. के. वर्मा, कार्यकारी निदेशक, ईपीसीएच;

+91-9810697868

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS
EPCH HOUSE Pocket 6 & 7 Sector 'C', LSC, Vasant Kunj, New Delhi-110070
Tel: +91-11-26135256 Fax: +91-11-26135518 & 19 Email: mails@epch.com I www.epch.in
CIN U20299DL1955NPLO23253
GST NO: 07AAACE1747M1ZJ

Press Release

Pashmina Certification Centre Enhances Testing Capabilities with New Upgraded Facilities

New Delhi, 21st December 2024 — The Advanced Centre for Pashmina Certification, a collaborative initiative by the Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) and the Wildlife Institute of India (WII), Dehradun has taken a significant step forward in advancing its testing capabilities. Advanced testing machines have been installed at the centre located at the Wildlife Institute of India, Dehradun. This cutting-edge technology is poised to revolutionize the accuracy and efficiency of testing processes, furthering the Government of India's mission to ensure the highest standards for authentic Pashmina products.

The new upgraded facility was inaugurated by Shri Bhupender Yadav, Hon'ble Union Minister for Environment, Forest & Climate Change and Labour & Employment Govt. of India in the presence of Shri Kirti Vardhan Singh, Union Minister of State in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Govt. of India; Shri Jitendra Kumar IFS, DG Forest; Shri Shushil Kumar Awasthi, Additional Director General of Forest; Shri Virendra Tiwari, IFS, Director WII; Dr. Ruchi Badola Dean, WII; Shri Rajesh Rawat, Additional Executive Director, EPCH; Dr. S. K. Gupta (Scientist F) and other senior officers were present.

Shri Dileep Baid, Chairman, EPCH shared that the Advanced Centre for Pashmina Certification is a major leap towards ensuring pure Pashmina authenticity and fostering sustainable trade. The advanced equipment's installed will strengthen our testing processes, ensuring exporters meet the stringent standards of international markets. It is a proud moment for us as we take another step towards supporting the artisans and manufacturers in this sector.

Shri R. K. Verma, Executive Director, EPCH said that this state-of-the-art centre is equipped with advanced technology to ensure precise and authentic certification of Pashmina products. It will enhance the credibility of Pashmina in global markets, support artisans by maintaining quality standards, and promote sustainable livelihoods. He further added the broader impact of this upgradation is a game-changer for the Pashmina Certification Centre. It will enable us to provide precise and efficient certification services to exporters, which is essential for meeting buyer requirements globally. This initiative underscores our commitment to equipping the Pashmina industry with modern tools and resources that foster innovation and growth.

Export Promotion Council for Handicrafts is a nodal agency for promotion of exports of handicrafts from the Country and create brand image of magic of the gifted hands of millions of artisans and crafts persons engaged in production of home, lifestyle, textiles, furniture and fashion jewellery & accessories products in different craft clusters of the Country. The Handicrafts exports during the year 2023-24 was Rs. 32,759 Crores (US $ 3,956 Million) registering a growth of 9.13% in rupee term & 6.11% in dollar terms over the previous year, as informed by Shri R. K. Verma, Executive Director, EPCH.

For more information please contact:
Shri. R. K. Verma, Executive Director – EPCH;
+91-9810697868

Encl: English, Hindi with photos

Photo 1: Shri Bhupender Yadav, Hon'ble Union Cabinet Minister for Environment, Forest & Climate Change and Labour & Employment Govt. of India inaugurating Advanced Centre for Pashmina Certification at Dehradun in the presence of Shri Kirti Vardhan Singh, Union Minister of State in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Govt. of India alongwith Shri Jitendra Kumar IFS, DG Forest; Shri Virendra Tiwari, IFS, Director WII; Shri Rajesh Rawat, Additional Executive Director, EPCH; Dr. S.K. Gupta (Scientist F) and other senior officers.

Photo 2: Unveiling of Pashmina Booklet by Shri Bhupender Yadav, Hon'ble Union Cabinet Minister for Environment, Forest & Climate Change and Labour & Employment Govt. of India at Advanced Centre for Pashmina Certification, WII, Dehradun.